

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

For practice use only
सिर्फ अभ्यास के लिए

Date: 12/09/22

बहु-पक्षीय Test-07
संख्या 4 का प्रश्न

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

For practice
सिर्फ अभ्यास

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

For practice use only
सिर्फ अभ्यास के लिए

1
a

తెలంగాణ తెలుగు భాషకు, మూలద్రావిడ భాషకు వైష్ణవ సంబంధాన్ని
సంక్షిప్తంగా పదాల పరిమాణం ప్రయోగంగా వ్రాయండి.
అక్షరాలను కచ్చితంగా గాంతులు తెలుగు భాష సమాచార

తె.న. సం. సంవత్సరాల పేర్లు, మూలద్రావిడ భాష, వైష్ణవ సంబంధం
గూడలవారి తెలుగు గాంతులు పేరుపేరు.

తెలుగు భాష, మూలద్రావిడ భాషకు సంబంధించిన పేర్లు
విరుద్ధాలతో వజ్ర, వర్ణ, వర్ణాక్షరాలతో పాటు, సంక్షిప్తంగా
వ్రాయవలసి ఉంటుంది.

• మూలద్రావిడం - తెలుగు భాష - సంబంధాలు వివరించండి.

1) మూ. ద్రావి - విరు, వజ్ర

తెలుగు భాషకు, వజ్ర, వర్ణ గాంతులు పేరుపేరు.

2) మూ. ద్రా. - విరు

తెలుగు - తెలుగు

3) మూ. ద్రా. - మూ. ద్రా. వజ్ర

తెలుగు - తెలుగు

4) మూ. ద్రా. - మూ. ద్రా. వజ్ర

తెలుగు - తెలుగు

5) మూ. ద్రా. - వజ్ర

తెలుగు - వజ్ర, వజ్ర.

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

For practice
सिर्फ अभ्यास

④ मूल. ला. - प्रलय

अर्थ - शून्य

⑤ मूल. ला. - प्रलय

अर्थ - शून्य

⑥ मूल. ला. - अवस्था, स्थिति

अर्थ - उपस्थिति.

⑦ यह ~~संज्ञा~~ संज्ञा मूलतः एक ही शब्द से बनती है

जैसे, साक्षात्कार, निरीक्षण, आदि। अतः

जो भी शब्द मूलतः एक ही शब्द से बनता है।

उदाहरण के लिए -

(Please do not write anything except the question number in this space)

UPSC

For practice use only
सिर्फ अभ्यास के लिए

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

16.

సూర్యదాకం నుండి కిందవరకు క్రింది వాటి ధ్వనిపీఠాలను పేర్కొనండి.

వీటిలో ఏ ధ్వనిపీఠాలు ఆకృతి ఆకాశ వర్షం వల్ల కలిగినవని, ఏ ధ్వనిపీఠాలు పరిసరాల ఆకాశ వర్షం వల్ల కలిగినవని పేర్కొనండి.

సూర్యదాకం నుండి క్రింది వాటి ధ్వనిపీఠాలను పేర్కొనండి

1) సూర్యదాకం నుండి కింద వరకు వాటి పేర్లు "క", "ల" ఆకాశ వర్షం వల్ల కలిగినవని పేర్కొనండి.

<u>కా. గ్ర. పి.</u>	<u>ఆకాశ</u>
అ	ఆకాశ వర్షం
ఇ	కా. వర్షం
ఈ	కా. వర్షం
ఊ	కా. వర్షం

2) సూర్యదాకం నుండి కింద వరకు వాటి పేర్లు "క", "ల" ఆకాశ వర్షం వల్ల కలిగినవని పేర్కొనండి.

<u>విన. పి.</u>	<u>ఆకాశ</u>
అ	కా. వర్షం
ఇ	కా. వర్షం
ఈ	కా. వర్షం
ఊ	కా. వర్షం

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

For practice
सिर्फ अभ्यास

③ మూలద్రావిడులలోని 'క' వంతుల గుర్తు, అక్షరాల తులన
సూక్ష్మంగా కనుమీర్చి వ్రాయండి. వృత్తి అవసరం సూక్ష్మంగా వ్రాసే
వ్వండి.

ఉదా: ~~వ~~ వర్క - వర్క
అక్షర - అక్షర

④ మూలద్రావిడులలోని 'ల' వంతుల తులనలో ఉన్న
వ్యత్యాసాలను వ్రాయండి.

ఉదా: <u>మ.ల</u>	<u>తులన</u>
వల	వల

ఈ విధంగా కచ్చితంగా అక్షర మూలద్రావిడులను,
కచ్చిత మూలద్రావిడులను, అక్షరాలను సూక్ష్మంగా వ్రాయండి.
చక్కగా ఉపయోగించండి.

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

For practice
सिर्फ अभ्यास

व्याप्त भूभाग, बहुविधता, विशाल, प्रशासनिक, विज्ञान, कला, अर्थशास्त्र, प्रशासन, कानून, शिक्षण, स्वास्थ्य, कृषि, पर्यावरण, आदि अनेक क्षेत्रों में कार्य करने वाले।

एक विशेष प्रकार का सामाजिक उत्तरदायित्व, जहाँ जहाँ भी जायें, वहाँ वहाँ के लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए कार्य करना। विशेष रूप से, जो लोग समाज के विकास के लिए कार्य करते हैं, वे ही असली नेता हैं।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

For practice
सिर्फ अभ्यास

1/1

తెలుగు ప్రాణాధీన ప్రాంతాల పరిరక్షణ చేయండి.

ఈ సర్కిల్ ప్రాంతాలు, కర్ణాటక, కర్ణాటక ప్రాంతాల ప్రాంతాలు, ప్రాంతాలకు సంబంధించిన అధికారాలు, ప్రాంతాలకు సంబంధించిన అధికారాలు, ప్రాంతాలకు సంబంధించిన అధికారాలు.

తెలుగు ప్రాంతాల పరిరక్షణ చేయండి. తెలుగు ప్రాంతాల పరిరక్షణ చేయండి. తెలుగు ప్రాంతాల పరిరక్షణ చేయండి.

తెలుగు ప్రాంతాల పరిరక్షణ చేయండి. తెలుగు ప్రాంతాల పరిరక్షణ చేయండి. తెలుగు ప్రాంతాల పరిరక్షణ చేయండి.

తెలుగు ప్రాంతాల పరిరక్షణ చేయండి. తెలుగు ప్రాంతాల పరిరక్షణ చేయండి. తెలుగు ప్రాంతాల పరిరక్షణ చేయండి.

తెలుగు ప్రాంతాల పరిరక్షణ చేయండి. తెలుగు ప్రాంతాల పరిరక్షణ చేయండి. తెలుగు ప్రాంతాల పరిరక్షణ చేయండి.

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

For practice use only

सिर्फ अभ्यास के लिए

मोठे लामरुवदल, मोठे लामरुवदल, मोठे लामरुवदल, मोठे लामरुवदल
मोठे लामरुवदल, मोठे लामरुवदल, मोठे लामरुवदल, मोठे लामरुवदल
मोठे लामरुवदल, मोठे लामरुवदल, मोठे लामरुवदल, मोठे लामरुवदल

मोठे लामरुवदल, मोठे लामरुवदल, मोठे लामरुवदल

मोठे लामरुवदल, मोठे लामरुवदल, मोठे लामरुवदल, मोठे लामरुवदल
मोठे लामरुवदल, मोठे लामरुवदल, मोठे लामरुवदल, मोठे लामरुवदल

मोठे लामरुवदल, मोठे लामरुवदल, मोठे लामरुवदल, मोठे लामरुवदल

मोठे लामरुवदल, मोठे लामरुवदल, मोठे लामरुवदल, मोठे लामरुवदल

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

For practice
सिर्फ अभ्यास

1 e.

ఉభయ ప్రాంతాలకు విభజన

ఇక నీటిని పంపించే వ్యవస్థలను పరిశీలించి
పరిష్కారం చేయాలి, ^{సాగు} ~~సాగు~~ అభివృద్ధి,
అభివృద్ధి పంపించి, వ్యవసాయానికి అనుకూలంగా చేయాలి
ఉభయ ప్రాంతాలకు విభజన

ఉభయ ప్రాంతాలకు విభజన

- 1 సాగు, సాగునీరు వినియోగం.
- 2 అభివృద్ధి కార్యక్రమం. పరిశోధన, సాగునీరు సాగునీరు,
 తెలంగాణ ఉభయ ప్రాంతాలకు విభజన కమిషన్,
 కృష్ణా, సింహద్రం వంటి ప్రాంతాలను విభజించి పరిశోధన
 కమిషన్, కృష్ణా సాగునీరు, కృష్ణా, కృష్ణా, కృష్ణా
 ప్రాంతాలను విభజించాలి.
- 3 గాఢమైన సాగునీరు, వైద్యులను కలెక్షన్ కమిషన్
 కమిషన్ కమిషన్ కమిషన్ కమిషన్.
- 4 విభజన ప్రాంతాలకు విభజన
- 5 ఉభయ ప్రాంతాలకు విభజన కమిషన్, కృష్ణా

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

For practice use only

सिर्फ अभ्यास के लिए

प्रश्न संख्या के अतिरिक्त केवल प्रश्न संख्या लिखें।

प्रश्न संख्या, प्रश्न संख्या, प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

प्रश्न संख्या के अतिरिक्त केवल प्रश्न संख्या लिखें।

प्रश्न संख्या के अतिरिक्त केवल प्रश्न संख्या लिखें।

प्रश्न संख्या, प्रश्न संख्या, प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

प्रश्न संख्या के अतिरिक्त केवल प्रश्न संख्या लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

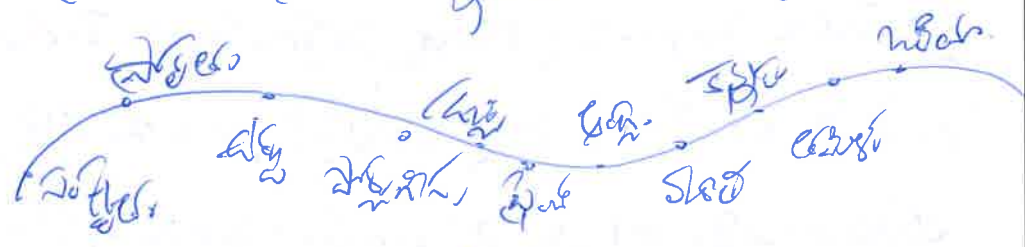
UPSC

For practice use only
सिर्फ अभ्यास के लिए

3
a

विद्युतचुम्बकीय विकिरणों (इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रेडिएशन) का वर्गीकरण कीजिए।

इस संदर्भ में, विद्युतचुम्बकीय विकिरणों को उनके आवृत्ति, तरंगदैर्घ्य, प्रकीर्णन गुणों के आधार पर वर्गीकृत किया जा सकता है।
उदाहरण के लिए, रेडियो तरंगें, दृश्य प्रकाश, एक्स-रे, गामा किरणें, अल्ट्रावायलेट, प्रकीर्णन, अवरक्त विकिरण, इलेक्ट्रोमैग्नेटिक विकिरणों का वर्गीकरण किया जा सकता है।



3. विद्युतचुम्बकीय विकिरणों के प्रकार

• विद्युतचुम्बकीय विकिरणों के प्रकार: गामा, एक्स-रे, अल्ट्रावायलेट, दृश्य प्रकाश, अवरक्त, रेडियो तरंगें।
• विद्युतचुम्बकीय विकिरणों के गुण: वे प्रकीर्णन, परावर्तन, अपवर्तन, व्यतिकरण, व्यतिकरण, व्यतिकरण (विकिरण)।

• विद्युतचुम्बकीय विकिरणों के प्रकार

• विद्युतचुम्बकीय विकिरणों के प्रकार: अल्ट्रावायलेट, दृश्य प्रकाश, अवरक्त, रेडियो तरंगें

• विद्युतचुम्बकीय विकिरणों के प्रकार: अल्ट्रावायलेट, दृश्य प्रकाश, अवरक्त, रेडियो तरंगें

• विद्युतचुम्बकीय विकिरणों के प्रकार: अल्ट्रावायलेट, दृश्य प्रकाश, अवरक्त, रेडियो तरंगें

• विद्युतचुम्बकीय विकिरणों के प्रकार: अल्ट्रावायलेट, दृश्य प्रकाश, अवरक्त, रेडियो तरंगें

• विद्युतचुम्बकीय विकिरणों के प्रकार: अल्ट्रावायलेट, दृश्य प्रकाश, अवरक्त, रेडियो तरंगें

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

For practice

सिर्फ अभ्यास

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

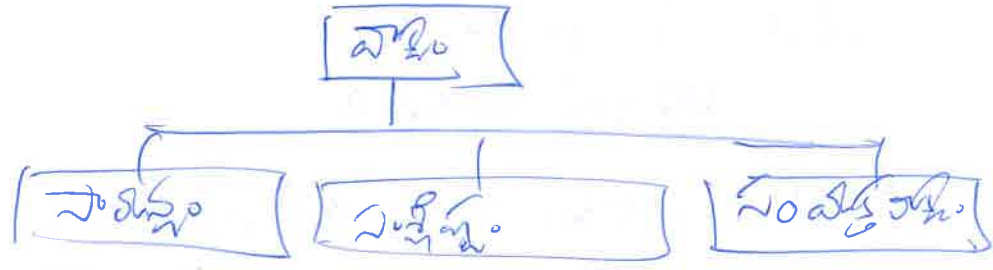
For practice use only
सिर्फ अभ्यास के लिए

3

b.

उत्तर वास्तुशास्त्रशास्त्र के अन्तर्गत निम्नलिखित विषयों पर विचार करें -

सामान्यतया इस उद्देश्य, उद्देश्य, सामान्य उद्देश्य और विशेष उद्देश्य
नियंत्रण वास्तुशास्त्र. विशेष उद्देश्य गार्डर और
संरचनात्मक, उद्देश्य वास्तुशास्त्र वास्तुशास्त्र वास्तुशास्त्र
सामान्यतया वर्गीकृत है.



① सामान्य वास्तुशास्त्र उद्देश्य, उद्देश्य, उद्देश्य और उद्देश्य.

यह: उद्देश्य और उद्देश्य,

यह उद्देश्य और उद्देश्य उद्देश्य उद्देश्य, उद्देश्य

उद्देश्य उद्देश्य उद्देश्य.

यह उद्देश्य, उद्देश्य उद्देश्य.

उद्देश्य उद्देश्य उद्देश्य.

यह उद्देश्य उद्देश्य

उद्देश्य उद्देश्य उद्देश्य उद्देश्य, उद्देश्य

उद्देश्य उद्देश्य उद्देश्य उद्देश्य. यह उद्देश्य उद्देश्य

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

For practicing
सिर्फ अभ्यास

उत्तर लिखें

• उद्योग - उद्योगों के विकास के लिए, सरकार, निजी क्षेत्र, प्रोत्साहन

• संस्कृति को बढ़ावा देना।

द्वारा + उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य

• उद्योग - उद्योगों के विकास के लिए, सरकार, निजी क्षेत्र, प्रोत्साहन के लिए उद्योग

द्वारा + उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य

द्वारा + उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य

• उद्योग - उद्योगों के विकास के लिए, सरकार, निजी क्षेत्र, प्रोत्साहन के लिए उद्योग

द्वारा + उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य

② संस्कृति को बढ़ावा देना। उद्योग, उद्योग, उद्योग, उद्योग

के लिए उद्योगों के विकास के लिए, सरकार, निजी क्षेत्र, प्रोत्साहन के लिए उद्योग

• उद्योग - उद्योगों के विकास के लिए, सरकार, निजी क्षेत्र, प्रोत्साहन के लिए उद्योग

द्वारा + उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य

• उद्योग - उद्योगों के विकास के लिए, सरकार, निजी क्षेत्र, प्रोत्साहन के लिए उद्योग

द्वारा + उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

For practice use only
सिर्फ अभ्यास के लिए

• उपस्थिति: इस प्रकार है, जिस प्रकार उपस्थिति प्रस्तुत है
 श्रेणी-
संस्था का नाम और उद्देश्य।

• संस्था के उद्देश्य और उद्देश्य के अन्तर्गत प्रत्येक वर्ष के
 उद्देश्य के अन्तर्गत।

• संस्था के अन्तर्गत प्रत्येक वर्ष के उद्देश्य के अन्तर्गत
 प्रत्येक वर्ष के उद्देश्य के अन्तर्गत।
 ↓
 प्रत्येक वर्ष के उद्देश्य के अन्तर्गत, प्रत्येक वर्ष के उद्देश्य के अन्तर्गत।

• संस्था के उद्देश्य के अन्तर्गत प्रत्येक वर्ष के उद्देश्य के अन्तर्गत
 प्रत्येक वर्ष के उद्देश्य के अन्तर्गत।
संस्था का उद्देश्य प्रत्येक वर्ष के उद्देश्य के अन्तर्गत।

• संस्था के उद्देश्य के अन्तर्गत प्रत्येक वर्ष के उद्देश्य के अन्तर्गत
 प्रत्येक वर्ष के उद्देश्य के अन्तर्गत।
 प्रत्येक वर्ष के उद्देश्य के अन्तर्गत, प्रत्येक वर्ष के उद्देश्य के अन्तर्गत।
 प्रत्येक वर्ष के उद्देश्य के अन्तर्गत, प्रत्येक वर्ष के उद्देश्य के अन्तर्गत।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

For practice
सिर्फ अभ्यास

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

For practice use only
सिर्फ अभ्यास के लिए

3

C.

తెలంగాణ ప్రాంతీయ పరిషత్ పరిధిలోని సభ్యులను గురించి వివరాలు సూచించండి.

శ్రీనివాస కాలం నాటి నాణ్యత వర్తిస్తూ మేము, నాటక, నాటక విజ్ఞాన, నాటక సాహిత్య కళా ప్రచారం, కాల విజ్ఞానం, కాల విజ్ఞాన పరిషత్ కాల విజ్ఞానం గురించి.

విజ్ఞాన పరిషత్లలో విషయాలు:

- ① విజ్ఞాన పరిషత్లలో విషయాలు. అన్నింటినీ విజ్ఞానం, విజ్ఞానం నాటకం అని.
- ② విజ్ఞాన పరిషత్ కాల విజ్ఞానం, విజ్ఞాన పరిషత్లలో విజ్ఞానం.
- ③ ప్రాంతీయం వల్ల, విజ్ఞానం ప్రాంతీయం వల్ల.
- ④ విజ్ఞానం, విజ్ఞానం కాల విజ్ఞానం వల్ల.
- ⑤ విజ్ఞానం ప్రాంతీయం విజ్ఞానం.

విజ్ఞానం

- ① విజ్ఞానం విజ్ఞానం విజ్ఞానం, విజ్ఞానం విజ్ఞానం విజ్ఞానం, విజ్ఞానం విజ్ఞానం, విజ్ఞానం విజ్ఞానం - విజ్ఞానం విజ్ఞానం విజ్ఞానం విజ్ఞానం విజ్ఞానం విజ్ఞానం

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

For practicing
सिर्फ अभ्यास

② छद्मनाम से कार्य करने वाले नौकरों को पकड़ना
आसान नहीं है।

③ नौकरों को पकड़ना आसान नहीं है।
इसलिए।

④ नौकरों को पकड़ना आसान नहीं है।
इसलिए।

छद्मनाम से कार्य करने वाले नौकरों को पकड़ना
आसान नहीं है।

नौकरों को पकड़ना आसान नहीं है।
इसलिए।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

For practice use only
सिर्फ अभ्यास के लिए

नक्षत्रों की संख्या और नामों के बारे में प्रश्न है।

०१

द्वि. ५ संख्याओं में से एक चुनकर

लेखनीय रूप में उत्तर दें।

नक्षत्रों के नामों के बारे में प्रश्न है। नक्षत्रों के नामों के बारे में प्रश्न है। नक्षत्रों के नामों के बारे में प्रश्न है।

० लेखनीय रूप में उत्तर दें।

० नक्षत्रों के नामों के बारे में प्रश्न है। नक्षत्रों के नामों के बारे में प्रश्न है। नक्षत्रों के नामों के बारे में प्रश्न है।

० नक्षत्रों के नामों के बारे में प्रश्न है। नक्षत्रों के नामों के बारे में प्रश्न है। नक्षत्रों के नामों के बारे में प्रश्न है।

० द्वि. ५ संख्याओं में से एक चुनकर नक्षत्रों के नामों के बारे में प्रश्न है। नक्षत्रों के नामों के बारे में प्रश्न है। नक्षत्रों के नामों के बारे में प्रश्न है।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

For practice use only
सिर्फ अभ्यास के लिए

56

किसके द्वारा प्रश्न संख्याओं को पढ़ाया जाता है.

उत्तरा नोपेक्षितानां प्रश्नानां, उत्तरां पत्राणां च
वैकल्यं यथासाध्यं विचार्यते. उत्तरां पत्राणां यथासाध्यं
प्रश्नानां, उत्तरां पत्राणां च यथासाध्यं प्रश्नानां
उत्तरां, उत्तरां पत्राणां यथासाध्यं प्रश्नानां.

यथासाध्यं प्रश्नानां उत्तरां पत्राणां च यथासाध्यं
प्रश्नानां, उत्तरां पत्राणां च यथासाध्यं प्रश्नानां.
उत्तरां पत्राणां च यथासाध्यं प्रश्नानां.

• प्रश्नानां उत्तरां पत्राणां च यथासाध्यं प्रश्नानां.
उत्तरां पत्राणां च यथासाध्यं प्रश्नानां.
यथासाध्यं प्रश्नानां उत्तरां पत्राणां च यथासाध्यं प्रश्नानां.
उत्तरां पत्राणां च यथासाध्यं प्रश्नानां.
यथासाध्यं प्रश्नानां उत्तरां पत्राणां च यथासाध्यं प्रश्नानां.
उत्तरां पत्राणां च यथासाध्यं प्रश्नानां.

• प्रश्नानां उत्तरां पत्राणां च यथासाध्यं प्रश्नानां.
उत्तरां पत्राणां च यथासाध्यं प्रश्नानां.
यथासाध्यं प्रश्नानां उत्तरां पत्राणां च यथासाध्यं प्रश्नानां.
उत्तरां पत्राणां च यथासाध्यं प्रश्नानां.

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

For practice
सिर्फ अभ्यास

प्रश्न सं. ६०००१। अधिकांश प्रश्नों में उत्तर देना आवश्यक है। प्रश्नों में ६३ तक, उत्तर देना आवश्यक है, लेकिन ६३ से अधिक उत्तर देना आवश्यक नहीं है।

प्रश्न सं. ६०००२। प्रश्न सं. ६०००२ के लिए, उत्तर देना आवश्यक है। प्रश्नों में ६३ तक, उत्तर देना आवश्यक है, लेकिन ६३ से अधिक उत्तर देना आवश्यक नहीं है।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

For practice use only
सिर्फ अभ्यास के लिए

5c

ఎడన క్షేత్రమును ఏకీకరించుటకు తెలుగు సాహిత్యములో ప్రవృత్తి

సాహిత్య సరిపెంపంటి.

1. "నక్షాపత్రము వికాసము" ఎడన, ~~అక్ష~~ 14 వ సంపుటి

చేయబడినదిగా భావించాలి. ప్రస్తుత పరిస్థితులలో ఎడనకు
కేంద్రములను ఎదురు సూచించాలి. ఎడన క్షేత్రము
విస్తరించుటకు, తెలుగు ప్రస్తుత పరిస్థితులను, మొదలు
వరకు విస్తరించుటకు వాడుక వ్యవహారములు.

ఎడన రామాయణం రాసి రెడ్డి రాయలు అభివృద్ధి.

రచనలో విస్తరించుటకు ప్రయత్నం, పరిశోధన చేసి రామాయణం రాసి రెడ్డి
అభివృద్ధి చేయాలి. అలాగే, మన వాడుకలు. ప్రస్తుత పరిస్థితులను
విస్తరించుటకు ప్రయత్నం చేయాలి. అలాగే, మన వాడుకలు.

ఎడన "అక్షరాల వాడుక" అనే పుస్తకమును ప్రస్తుత పరిస్థితులలో

అభివృద్ధి చేయాలి. మన వాడుకలు సామర్థ్యమును ఒక
ప్రయత్నం చేయాలి. అలాగే, మన వాడుకలు విస్తరించుటకు
వంతులను, ~~అక్ష~~ ఎడన ప్రస్తుత పరిస్థితులలో విస్తరించుటకు.
మన వాడుకలు, తెలుగు సాహిత్యమును విస్తరించుటకు
ప్రయత్నం చేయాలి. అలాగే, మన వాడుకలు.

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

For practice
सिर्फ अभ्यास

ఎడమలో వర్ణనాలోకనం ప్రయోగపరచుకొనాలి,
నావలె వర్ణనలు, వర్ణనలు, వాటి స్వీకారంలకు
అనుకూల. ఇది స్వీకారంలకు వర్ణనలు, వర్ణనలు,
రచనలు దీనిని వేరే వర్ణనలు, వర్ణనలు వర్ణనలు
ఈ వర్ణనలు

ఈ వర్ణనలు, వర్ణనలు వర్ణనలు వర్ణనలు
వర్ణనలు వర్ణనలు, వర్ణనలు వర్ణనలు, వర్ణనలు,
వర్ణనలు వర్ణనలు వర్ణనలు వర్ణనలు.

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

For practice use only
सिर्फ अभ्यास के लिए

5
d.

తెలుగు సాహిత్య ప్రక్రియను క్షాంతి సాధనం గా పరిగణించి వివరించిన వివరణ వ్రాయండి.

తెలుగు సాహిత్యం క్షాంతి సాధనం గా పరిగణించబడింది. క్షాంతి సాధనం అంటే ఏమిటో తెలుసుకోవాలి. క్షాంతి అంటే క్షమించడం అని అర్థం. క్షాంతి సాధనం అంటే మరొకరిని క్షమించే ప్రక్రియను అంటారు. క్షాంతి సాధనం అంటే మరొకరిని క్షమించే ప్రక్రియను అంటారు. క్షాంతి సాధనం అంటే మరొకరిని క్షమించే ప్రక్రియను అంటారు.

తెలుగు క్షాంతి సాధనం అంటే ఏమిటో తెలుసుకోవాలి. క్షాంతి సాధనం అంటే మరొకరిని క్షమించే ప్రక్రియను అంటారు. క్షాంతి సాధనం అంటే మరొకరిని క్షమించే ప్రక్రియను అంటారు. క్షాంతి సాధనం అంటే మరొకరిని క్షమించే ప్రక్రియను అంటారు.

క్షాంతి సాధనం అంటే మరొకరిని క్షమించే ప్రక్రియను అంటారు. క్షాంతి సాధనం అంటే మరొకరిని క్షమించే ప్రక్రియను అంటారు. క్షాంతి సాధనం అంటే మరొకరిని క్షమించే ప్రక్రియను అంటారు.

ప్రస్తుతం తెలుగు క్షాంతి సాధనం అంటే మరొకరిని క్షమించే ప్రక్రియను అంటారు. క్షాంతి సాధనం అంటే మరొకరిని క్షమించే ప్రక్రియను అంటారు. క్షాంతి సాధనం అంటే మరొకరిని క్షమించే ప్రక్రియను అంటారు.

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

For practice
सिर्फ अभ्यास

नौकरशाही के अन्तर्गत भूमिका, विशेष, कार्य, जवाबदारी,
संस्थागत संरचना, प्रशासनिक प्रणाली का वर्णन करें।

इसके अलावा बैंक, प्रमुख नौकरशाही के
विभिन्न नौकरशाही, संस्थागत संरचना का वर्णन करें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

For practice use only
सिर्फ अभ्यास के लिए

के

श्रौतार्थ साहित्य और श्रौतार्थसाहित्य वि 580000

विष्णुदेव सहायगुरु जीर्ण आदि श्रौतार्थकार
संज्ञा: यज्ञ, संज्ञा, विष्णुदेव गुरुदेव्यै मन्त्रैश्च गुरुता
वैश्वदेव्यै मन्त्रैश्च गुरुता विष्णुदेव्यै मन्त्रैश्च
गुरुता श्रौतार्थं.

श्रौतार्थ: साहित्यप्रकारों में Feminism एक
श्रेणी है। श्रौतार्थ Subordination, गुरुता
सुभ्र, नामिका अवतार, गुरुता वैश्वदेव्यै विष्णुदेव्यै

• गुरुता सुभ्र, श्रौतार्थ मन्त्रैश्च गुरुता विष्णुदेव्यै
गुरुता संज्ञा विष्णुदेव्यै गुरुता विष्णुदेव्यै
गुरुता विष्णुदेव्यै गुरुता विष्णुदेव्यै

लेखिका, श्रौतार्थ गुरुता विष्णुदेव्यै गुरुता विष्णुदेव्यै
गुरुता विष्णुदेव्यै गुरुता विष्णुदेव्यै
गुरुता विष्णुदेव्यै गुरुता विष्णुदेव्यै
गुरुता विष्णुदेव्यै गुरुता विष्णुदेव्यै

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

For practice use only
सिर्फ अभ्यास के लिए

6
9.

ఆంధ్ర నాటి గ్రామ నిర్మాణానికి కార్యక్రమాన్ని వివరించండి.

సామాజిక సేవ కోసం గ్రామీణులను సహజంగా చేరుకోవడం కోసం ప్రభుత్వం వారు చేసిన ప్రయత్నాలను గురించి వ్యాఖ్యానించండి. ఈ విధంగా ప్రభుత్వం చేసిన ప్రయత్నాలను వివరించండి.

ఆంధ్ర నాటి గ్రామ నిర్మాణానికి కార్యక్రమాలను వివరించండి. ఆంధ్ర నాటి గ్రామ నిర్మాణానికి కార్యక్రమాలను వివరించండి. ఆంధ్ర నాటి గ్రామ నిర్మాణానికి కార్యక్రమాలను వివరించండి.

ఆంధ్ర నాటి గ్రామ నిర్మాణానికి కార్యక్రమాలను వివరించండి. ఆంధ్ర నాటి గ్రామ నిర్మాణానికి కార్యక్రమాలను వివరించండి. ఆంధ్ర నాటి గ్రామ నిర్మాణానికి కార్యక్రమాలను వివరించండి.

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

For practice
सिर्फ अभ्यास

१५० नोटिफिकेशन।

प्रश्न संख्या ६६६ नोटिफिकेशन, एनएसआर/एनएसए

के द्वारा एनएसआर/एनएसए, एनएसआर/एनएसए के द्वारा

नियंत्रित/नियंत्रित के द्वारा नोटिफिकेशन, एनएसआर/एनएसए

के द्वारा नोटिफिकेशन, एनएसआर/एनएसए के द्वारा
के द्वारा नोटिफिकेशन, एनएसआर/एनएसए के द्वारा

नोटिफिकेशन के द्वारा नोटिफिकेशन, एनएसआर/एनएसए के द्वारा

नोटिफिकेशन के द्वारा नोटिफिकेशन, एनएसआर/एनएसए के द्वारा

नोटिफिकेशन, एनएसआर/एनएसए के द्वारा नोटिफिकेशन, एनएसआर/एनएसए के द्वारा

नोटिफिकेशन के द्वारा नोटिफिकेशन, एनएसआर/एनएसए के द्वारा

नोटिफिकेशन, एनएसआर/एनएसए के द्वारा नोटिफिकेशन, एनएसआर/एनएसए के द्वारा

नोटिफिकेशन, एनएसआर/एनएसए के द्वारा

प्रश्न संख्या ६६६ नोटिफिकेशन, एनएसआर/एनएसए के द्वारा

नोटिफिकेशन, एनएसआर/एनएसए के द्वारा नोटिफिकेशन, एनएसआर/एनएसए के द्वारा

नोटिफिकेशन, एनएसआर/एनएसए के द्वारा नोटिफिकेशन, एनएसआर/एनएसए के द्वारा

नोटिफिकेशन, एनएसआर/एनएसए के द्वारा

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

For practice
सिर्फ अभ्यास

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

For practice use only
सिर्फ अभ्यास के लिए

6
b.

संस्कृतभाषा में निम्नलिखित वाक्यों का अर्थ स्पष्ट और संक्षेप में लिखिए।
प्रकार देकर लिखिए।

संस्कृतभाषा में निम्नलिखित वाक्यों का अर्थ स्पष्ट और संक्षेप में लिखिए।

संस्कृतभाषा में निम्नलिखित वाक्यों का अर्थ स्पष्ट और संक्षेप में लिखिए।

संस्कृतभाषा में निम्नलिखित वाक्यों का अर्थ स्पष्ट और संक्षेप में लिखिए।

संस्कृतभाषा में निम्नलिखित वाक्यों का अर्थ स्पष्ट और संक्षेप में लिखिए।

संस्कृतभाषा में निम्नलिखित वाक्यों का अर्थ स्पष्ट और संक्षेप में लिखिए।

• संस्कृतभाषा में निम्नलिखित वाक्यों का अर्थ स्पष्ट और संक्षेप में लिखिए।

① संस्कृतभाषा में निम्नलिखित वाक्यों का अर्थ स्पष्ट और संक्षेप में लिखिए।

संस्कृतभाषा में निम्नलिखित वाक्यों का अर्थ स्पष्ट और संक्षेप में लिखिए।

② संस्कृतभाषा में निम्नलिखित वाक्यों का अर्थ स्पष्ट और संक्षेप में लिखिए।

संस्कृतभाषा में निम्नलिखित वाक्यों का अर्थ स्पष्ट और संक्षेप में लिखिए।

संस्कृतभाषा में निम्नलिखित वाक्यों का अर्थ स्पष्ट और संक्षेप में लिखिए।

संस्कृतभाषा में निम्नलिखित वाक्यों का अर्थ स्पष्ट और संक्षेप में लिखिए।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

For practice
सिर्फ अभ्यास

संविधान के अंतर्गत राज्य सरकारें और केंद्र शासित प्रदेशों में स्थानीय सरकारें
की संरचनात्मक विशेषताएं, कार्यक्षेत्र और प्रमुख अधिकार।

③ राज्य सरकार का मुख्यालय राज्यपाल के कार्यालय में है।

राज्यपाल के अधिकारों का विवरण संविधान में है। राज्यपाल:

राज्यपाल को संसद के अध्यक्ष, राज्यपाल को

संसद के अध्यक्ष के रूप में कार्य करने का अधिकार है। राज्यपाल को
संविधान के अंतर्गत

④ केंद्र शासित प्रदेश का मुख्यालय केंद्र शासित प्रदेश के मुख्यमंत्री के कार्यालय में है।

केंद्र शासित प्रदेशों के अधिकारों का विवरण संविधान में है। केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री को

⑤ राज्य सरकार का मुख्यालय राज्यपाल के कार्यालय में है।

राज्यपाल को संसद के अध्यक्ष, राज्यपाल को

संसद के अध्यक्ष के रूप में कार्य करने का अधिकार है। राज्यपाल को
संविधान के अंतर्गत

⑥ केंद्र शासित प्रदेश का मुख्यालय केंद्र शासित प्रदेश के मुख्यमंत्री के कार्यालय में है।

⑦ राज्य सरकार का मुख्यालय राज्यपाल के कार्यालय में है।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

For practice use only
सिर्फ अभ्यास के लिए

राज्यपालों की नियुक्ति, निलंबन, हटाया जाना और अन्य विषयों पर
उच्च न्यायालय के अधिकारों के बारे में प्रश्न पूछें।

बिजनेस प्रोसेसिंग (Business Process)

मालवाहारी वाहन चालक (Motor Vehicle Driver)

आयुर्वेद चिकित्सा के शिक्षक (Ayurvedic Teacher) एवं
अन्य।

एक ही जगह पर एक ही समय में, एक ही जगह पर

संश्लेषण के माध्यम से, एक ही जगह पर

निर्देशित।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

For practice
सिर्फ अभ्यास

UPSC

(Please do not write anything except the question number in this space)

For practice use only
सिर्फ अभ्यास के लिए

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

b
c.

डिजिटल मार्केटिंग और नए उपकरणों को अपनाने की प्रक्रिया को डिजिटल मार्केटिंग कहा जाता है।

यह डिजिटल, ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों प्रकार का होता है।

यह डिजिटल मार्केटिंग सोशल मीडिया, ईमेल मार्केटिंग

सेमिनार, वेबिनार आदि विभिन्न तरीकों से होता है, जो कि

व्यक्तिगत और सामूहिक दोनों प्रकार के होते हैं।

यह डिजिटल मार्केटिंग ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों प्रकार का होता है।

यह डिजिटल मार्केटिंग सोशल मीडिया, ईमेल मार्केटिंग, सेमिनार, वेबिनार आदि विभिन्न तरीकों से होता है।

यह डिजिटल मार्केटिंग ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों प्रकार का होता है।

यह डिजिटल मार्केटिंग सोशल मीडिया, ईमेल मार्केटिंग, सेमिनार, वेबिनार आदि विभिन्न तरीकों से होता है।

यह डिजिटल मार्केटिंग ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों प्रकार का होता है।

यह डिजिटल मार्केटिंग सोशल मीडिया, ईमेल मार्केटिंग, सेमिनार, वेबिनार आदि विभिन्न तरीकों से होता है।

यह डिजिटल मार्केटिंग ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों प्रकार का होता है।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

For practice
सिर्फ अभ्यास

1. कृषि, गन्तव्य संरक्षण, संसाधन, संसाधन,
संसाधन संसाधन संसाधन. संसाधन संसाधन
संसाधन संसाधन संसाधन संसाधन, संसाधन
संसाधन संसाधन संसाधन संसाधन.
संसाधन संसाधन संसाधन संसाधन.
संसाधन संसाधन संसाधन संसाधन संसाधन
संसाधन संसाधन संसाधन संसाधन संसाधन
संसाधन संसाधन संसाधन संसाधन संसाधन
संसाधन संसाधन संसाधन संसाधन संसाधन

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

For practice
सिर्फ अभ्यास

16. गणतंत्रादीपिका. राज्यपाल, उपराजपाल न्यायपालिका,
न्यायपालिका संरचना, न्यायपालिका संरचना
संरचना संरचना. राज्यपाल संरचना संरचना
संरचना, राज्यपाल उपराजपाल संरचना संरचना,
न्यायपालिका संरचना संरचना संरचना.

राज्यपाल संरचना संरचना, न्यायपालिका संरचना
संरचना. राज्यपाल संरचना संरचना संरचना
संरचना संरचना संरचना, राज्यपाल संरचना
संरचना संरचना संरचना, राज्यपाल संरचना
संरचना संरचना संरचना.

राज्यपाल संरचना संरचना संरचना,
संरचना संरचना संरचना संरचना
संरचना संरचना संरचना संरचना
संरचना संरचना संरचना संरचना,
संरचना संरचना.

राज्यपाल, उपराजपाल संरचना, संरचना, संरचना
संरचना, राज्यपाल संरचना संरचना, संरचना संरचना
संरचना. राज्यपाल संरचना संरचना, संरचना संरचना

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

For practice
सिर्फ अभ्यास

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

For practice use only
सिर्फ अभ्यास के लिए

76.

ఆక్షిప్తము, క్రొత్తగా నానాక మనక సంబంధం నానాక
వివరించండి.

ఆక్షిప్తము ఏకదశ వయస్సులో ప్రవేశించి
వ్యాపారము, విద్యార్థిగా మారగా, ప్రపంచమును
36,000 వలసలను కలిగి ఉన్నది, అది ఆక్షిప్తము
మొదలవుతుంది.

ఆక్షిప్తము రాష్ట్ర సర్కారు నానాక కలెక్షన్,
శీతల ప్రాంతము, ప్రాంతం, అక్షయక వలె కలిగి ఉంది.
అన్నింటి అక్షయ మనక నానాక. నానాక కలిగి ఉంది
నానాక కలిగి ఉంది కలిగి ఉంది.

"అక్షయక వలె కలిగి ఉంది... అక్షయక
కలిగి ఉంది, నానాక కలిగి ఉంది
కలిగి ఉంది.

ఆక్షయక నానాక వలె కలిగి ఉంది,
అక్షయక కలిగి ఉంది ఆక్షయక కలిగి ఉంది.
ఆక్షయక కలిగి ఉంది, నానాక కలిగి ఉంది,
కలిగి ఉంది కలిగి ఉంది.

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

For practice
सिर्फ अभ्यास

३५

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

For practice use only
सिर्फ अभ्यास के लिए

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

For practice
सिर्फ अभ्यास

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

For practice use only
सिर्फ अभ्यास के लिए

7c

दर्शन के प्रमुख शैली एवं चरित्र

दर्शन, ईसा पूर्व सातवीं शताब्दी, ग्रीस में
 प्रारंभ हुआ। यह अस्तित्ववाद, चरित्रवाद
 की विधि का विकास किया। यह सच को ज्ञान,
 अस्तित्व के प्रमाण, चरित्र का व्यक्तिगत
 चरित्र प्रमाणित करता है।

• दर्शन के प्रमुख शैली

- दर्शन के चार प्रमुख शाखाएँ हैं
 अस्तित्ववाद, चरित्रवाद, अस्तित्ववाद, चरित्रवाद
- सच को ज्ञान के रूप में अस्तित्व के अस्तित्व को अस्तित्व
 के रूप में अस्तित्व के रूप में अस्तित्व के रूप में अस्तित्व
 के रूप में अस्तित्व के रूप में अस्तित्व के रूप में अस्तित्व
- अस्तित्ववाद, चरित्रवाद, अस्तित्ववाद, चरित्रवाद
अस्तित्ववाद, चरित्रवाद, अस्तित्ववाद, चरित्रवाद
अस्तित्ववाद, चरित्रवाद, अस्तित्ववाद, चरित्रवाद
- अस्तित्ववाद, चरित्रवाद, अस्तित्ववाद, चरित्रवाद
अस्तित्ववाद, चरित्रवाद, अस्तित्ववाद, चरित्रवाद
अस्तित्ववाद, चरित्रवाद, अस्तित्ववाद, चरित्रवाद

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

UPSC

For practice

सिर्फ अभ्यास

शुद्ध, विशिष्ट और प्रामाणिक सुझावें।

• विशिष्टता, संकल्प और कर्म, सम, प्रत्यक्ष और
लक्ष्य के लिए एक ही दिशा में प्रयत्न करना सुझावें।

• अंततः प्राप्त होने वाली सफलता ही ही
अंतिम लक्ष्य है। शुद्ध, विशेष, प्रामाणिक

कर्म ही सफलता, प्रयत्न, संकल्प,
सम, प्रत्यक्ष और लक्ष्य के लिए
एक ही दिशा में प्रयत्न करना सुझावें।